DAV BORL PUBLIC SCHOOL , BINA (M.P.)

संकलित परीक्षा – II, 2015-16

हिन्दी 'अ'

कक्षा – IX

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए : **1x5=5**

प्रकृति और मनुष्य का संबंध ऐतिहासिक दृष्टि से काफ़ी बाद में शुरु हुआ क्योंकि प्रकृति पहले से थी और मनुष्य बाद में आया। लेकिन अपने विकास के क्रम में, मनुष्य ने शीघ्र ही प्रकृति पर अपनी इच्छा आरोपित करनी चाही और तब से संघर्ष और स्वीकृति का एक लोमहर्षक नाटक मनुष्य और प्रकृति के बीच चला आ रहा है। आज भी मनुष्य प्रकृति का ही पुत्र है। यह इतिहास मनुष्य की विजय और प्रगति का इतिहास है या उसकी पराजय और दुर्गति का; इसे वह स्वयं भी ठीक-ठीक नहीं समझ सका है। पर जिसे हम मनुष्य की जयगाथा कहकर पुलकित होते रहे हैं वह असल में मनुष्य की पराजय बल्कि उसके आत्महनन की गाथा है। पिछले कुछ वर्षों सें इकालॉजी अर्थात् परिमंडल विज्ञान की अत्यधिक चर्चा इस तथ्य का प्रमाण है। सभी ओर जंगल भारी संख्या में काटे जा रहे हैं और यह जानते हुए भी कि जंगल काटने का मतलब – भूमि को विनष्ट करना, बाढ़ों को बढ़ावा देना, मौसम को बदलने में सहायक बनना है।

(1) ऐतिहासिक दृष्टि से प्रकृति और मनुष्य में संबंध है, –

(क) बहिन और भाई का। (ख) माँ और बेटे का।

(ग) बराबरी का। (घ) मनुष्य के विजयी होने का।

(2) बाद में उत्पन्न होने वाले मनुष्य से प्रकृति के संघर्ष का कारण है, –

(क) मनुष्य द्वारा, विकासक्रम में प्रकृति पर अपनी इच्छा थोपना।

(ख) मनुष्य द्वारा प्रकृति से अधिक स्नेह रखना।

(ग) प्रकृति द्वारा मनुष्य की प्रगति में बाधक होना।

(घ) दोनों में परस्पर सहयोग का अभाव।

(3) मनुष्य द्वारा मान्य उसकी जयगाथा वास्तव में है उसकी, –

(क) झूठी प्रगति और दिखावा।

(ख) मनुष्य का भ्रम।

(ग) मनुष्य की पराजय और आत्महनन की गाथा।

(घ) सच्ची प्रगति और उत्तरोत्तर उन्नति की गाथा।

(4) आरोपित शब्द में प्रत्यय है –

(क) आ (ख) पित (ग) इत (घ) त

(5) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

(क) प्रकृति और मानव। (ख) प्रकृति प्रेम।

(ग) प्रकृति की देन। (घ) मनुष्य की विजय।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए : **1x5=5**

आज जीवन–मूल्यों में बदलाव आ रहा है। समाज की आस्था व विश्वास तीव्र गति से बदल रहे है। व्यक्ति आत्मवंद्रित बन रहा है। माँ–बाप बच्चों का लाड़–प्यार से पालन–पोषण करते हैं एवं उनकी हमेशा यही कोशिश रहती है कि बच्चों को जीवन में किसी प्रकार के अभाव का सामना न करना पड़े। वे संतान को सुख देने हेतु खुद कष्ट सह लेते हैं। बड़े होकर बच्चों के भी माँ–बाप के प्रति कुछ कर्तव्य होते हैं। परन्तु देखा गया है कि बच्चे अपना कर्तव्य निर्वहन अच्छी तरह नहीं कर पाते। पहले उन्हें पढ़ाई की चिंता, उसके बाद अपने भविष्य की चिंता होती है। माँ–बाप का मानसिक आघात उस समय लगता है जब बच्चे उनकी उपेक्षा करते हैं तथा नई व पुरानी पीढ़ी का अंतर बताते हुए उन्हें दकियानूसी सिद्ध करने लगते हैं। बच्चों को याद रखना चाहिए कि इन माँ बाप ने ही उन्हें सफलतापूर्ण जीवन जीने के लायक बनाया है। उन्हें बड़ों की भावनाओं की कद्र करनी चाहिए। बुढ़ापे में उनकी आर्थिक, मानसिक व शारीरिक दृष्टि से सहायता करना बच्चों का नैतिक कर्तव्य है।

(1) जीवन–मूल्यों में बदलाव का कारण है, –

(क) व्यक्ति की स्वार्थ परता।

(ख) व्यक्ति का बदलता स्वभाव।

(ग) व्यक्ति का ऐशो–आरामपूर्ण जीवन।

(घ) व्यक्ति का आत्मकेन्द्रित होना।

(2) गद्यांश में बच्चे के जीवन–क्रम में क्या सांम्मलित नहीं है?

(क) अपनी पढ़ाई की चिंता।

(ख) अपने भविष्य की चिंता।

(ग) पढ़ने और बड़ा बनने की चिंता।

(घ) बड़े होकर माँ–बाप के प्रति कर्तव्य की चिंता।

(3) बच्चे का लालन–पालन करते समय माँ–बाप उन्हें, –

(क) लाड़–प्यार से न पालकर उनकी उपेक्षा कर देते हैं।

(ख) सुखी रखने के लिए स्वयं अभावग्रस्त रहकर कष्ट झेलते हैं।

(ग) किसी तरह का कष्ट नहीं देते।

(घ) काम पर भेजकर खुद घर में मौज उड़ाते हैं।

(4) पालन–पोषण में समास है, –

(क) द्वंद्व समास (ख) द्विगु समास

(ग) तत्पुरुष समास (घ) कर्मधारय समास

(5) माँ–बाप को तब आघात पहुँचता है जब, बच्चे :

(क) उन्हें पैसे तो देते हैं पर पास नहीं बैठते।

(ख) उन्हें तनिक भी सम्मान नहीं देते।

(ग) उपेक्षा करने के साथ उन्हें पुरानपंथी तथा दकियानूसी करार देते हैं।

(घ) उन्हें भगवान भरोसे छोड़कर स्वयं मौज उड़ाते हैं।

3. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए –** **1x5=5**

''हाँ जनकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर मैया,
अपराधी मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया।
दुर्बलता का ही चिहन विशेष शपथ है,
पर, अबलाजन के लिए कौन सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति-समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो,
पाओ यदि उसमें सार उसे सब चुन लो।
करके पहाड़-सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ।
पागल सी प्रभु-के साथ सभा चिल्लाई –
धन्य-धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने जना भरत सा भाई।

(1) कैकेयी भरत को इस रूप में नहीं जान पाई थीं कि, –
(क) भरत का सोच उनसे पूर्णत: विपरीत है।
(ख) भरत भाई के विरूद्ध नहीं जा सकते।
(ग) भरत को राज्य का लालच है।
(घ) भरत राज्याभिषेव शीघ्र कराना चाहते थे।

(2) शपथ मानवीय दर्बलता का चिह्न है क्यों कि –
(क) शपथ लेकर दूसरों को विवश किया जाता है।
(ख) शपथ एक प्रकार से भावनात्मक शोषण है।
(ग) स्वयं पर भरोसा न होने पर ही शपथ ली जाती है।
(घ) शपथ हमारी दिनचर्या का अंग है।

(3) भरत को निर्दोष सिद्ध करने के लिए कैकेयी ने क्या तर्क दिया?
(क) कसम खाई
(ख) कहा कि, राम ने स्वयं भरत को निर्दोष माना है।
(ग) पति की तरह पुत्र भी खो दूँ।
(घ) भरत के मन में राम के प्रति प्रेम है।

(4) कैकेयी को सबने निर्दोष माना क्योंकि –
(क) कैकेयी पश्चाताप कर रही थी।
(ख) कैकेयी उदास थी।
(ग) भरत ने उन्हें छोड़ दिया था।
(घ) वे भरत जैसे पुत्र की माँ थी।

(5) 'अनुताप' शब्द का अर्थ है –
(क) विलाप (ख) प्रलाप (ग) प्रायश्चित (घ) पछतावा

4. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर उत्तर लिखिए –** **1x5=5**

कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ले-दे कर जीना, क्या जीना?
कब तक गम के आँसू पीना?
मानवता ने सींचा तुझको
बहा युगों तक खून पसीना!
कुछ न करेगा? किया करेगा –
रे मनुष्य – बस कातर क्रंदन?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
'युद्धं देहि' कहे जब पामर,
दे न दुहाई पीठ फेरकर।
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे प्रस्तर!

(1) ''तेरी राह रोकते पाहन'' में 'पाहन' का अर्थ है –
(क) बाधाएँ एवं कठिनाइयाँ (ख) पत्थर
(ग) बड़ी-बड़ी शिलाएँ। (घ) आततायी लोग

(2) 'ले-दे कर जीना' से कवि का क्या अभिप्राय है?
(क) लेन-देन (ख) समझौते
(ग) रिश्वत (घ) जैसे-तैसे (कठिनाई से)

(3) मानवता ने मनुष्य को खून-पसीने से क्यों सींचा?
(क) कायरता के लिए। (ख) डरने के लिए।
(ग) आत्मग्लानि के लिए। (घ) वीर बनान के लिए।

(4) दुष्टों द्वारा युद्ध की चुनौती देने पर क्या करना चाहिए?
(क) भाग जाना चाहिए। (ख) समझाना चाहिए।
(ग) डटकर युद्ध करना चाहिए। (घ) समझौता करना चाहिए।

(5) ''खून-पसीना बहाना'' मुहावरे का अर्थ है –
(क) बहुत परिश्रम करना। (ख) बहुत पसीना आना।
(ग) जख्म से खून बहना। (घ) आराम करना।

खण्ड – ख

5. (i) 'सज्जन' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूलशब्द अलग कीजिए। **1 x 4 = 4**
(ii) 'स' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।
(iii) 'तैराक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूलशब्द अलग कीजिए।
(iv) 'लु' प्रत्यय बनाकर दो शब्द बनाइए।

6. (i) 'अंधा है जो विश्वास' – समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। **1 x 4 = 4**

(ii) 'आनंदमग्न' – पद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

(iii) संज्ञा में बदलिए – स्वर्गीय , प्रसिद्ध

(iv) रेखांकित का संज्ञा भेद बताइए – 'यहाँ तुम्हारी चतुराई नहीं चलेगी।'

7. (i) रेखांकित का सर्वनाम भेद लिखिए – 'इन मूर्तियों में आपको कौन–सी पसंद आई? **1 x 4 = 4**

(ii) रिक्त स्थान की पूर्ति सर्वनाम शब्द से कीजिए – '------ मेरे साथ दुकान चलो।'

(iii) रेखांकित विशेषण का वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए –
शेर आकार में बिल्ली से बड़ा होता है।

(iv) रेखांकित विशेषण का लिंग बदल कर वाक्य दोबारा लिखिए –
आपके पास रखे हुए कपड़े बहुत गंदे हैं।

8. **(क)** 'ने' परसर्ग लगाकर वाक्य दोबारा लिखिए – **2**

(i) अक्षय काम कर रहा होगा।

(ii) गाय गमले तोड़ गई है।

(ख) निम्नांकित के विलोम शब्द लिखिए – **2**

दयालु , दुर्लभ , प्रसन्न , गुणी

9. **(क) निम्नांकित के दो–दो पर्यायवाची लिखिए –** **2**

(i) हाथ (ii) घर

(ख) वाक्य प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए – **2**

(i) 'निर्माण – निर्वाण' (ii) 'योग – योग्य'

खण्ड – ग

10. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए तथा किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए –** **1x5=5**

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र–सा आकर्षण होता है। कभी–कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा। परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं।

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों–के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा–पूजा की। हमारी कुल देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फ़ारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेज़ी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था।

I किसके बचपन की स्मृतियों की बात हो रही है?

(क) प्रेमचंद के (ख) सालिम अली के

(ग) सुभद्राकुमारी चौहान के (घ) महादेवी वर्मा के

II 'परमधाम' का अर्थ है –

(क) पराया घर (ख) स्वर्ग (ग) दूसरा देश (घ) दूसरा घर

III लेखिका को क्या नहीं सहना पड़ा?

(क) जीवन के कटु अनुभव

(ख) पढ़ाई का बोझ

(ग) लड़का-लड़की में लड़की होने का भेदभाव

(घ) अभावों की पीड़ा।

IV बचपन की स्मृतियों का क्या प्रभाव पड़ता है?

(क) हमेशा याद आती हैं।

(ख) हम भूल जाते हैं।

(ग) हमें अच्छी नहीं लगती।

(घ) उन्हें याद करना कभी-कभी अच्छा लगता है।

V लेखिका के परिवार में किस भाषा का वातावरण नहीं था?

(क) उर्दू का (ख) फारसी और अंग्रेज़ो का

(ग) उर्दू और अंग्रेज़ो का (घ) हिंदी का

अथवा

मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ तब मेरे सामने श्रीनिकेतन के तितल्ले पर की वह घटना प्रत्यक्ष-सी हो जाती है। वह आँख मूँदकर अपरिसीम आनंद, वह 'मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन' मूर्तिमान हो जाता है। उस दिन के लिए वह एक छोटी-सी घटना थी,आज वह विश्व की अनेक महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में बैठ गई है। एक आश्चर्य की बात और इस प्रसंग में उल्लेख की जा सकती है। जब गुरुदेव का चिताभस्म कलकत्ते (कोलकाता) से आश्रम लाया गया, उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शांत गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया।

I तितल्ले पर कौन सी घटना घटी थी?

(क) मैना का उछलकूद करना।

(ख) गुरुदेव के स्नेहपूर्ण व्यवहार से कुत्ते का परितृप्त होना।

(ग) गुरुदेव का अस्तगामी सूर्य का ध्यान से देखना।

(घ) लेखक का परिवार सहित श्रीनिकेतन जाना।

II किसके मूक हृदय का प्राणपण आत्म-निवेदन मूर्तिमान हो जाता है?

(क) लेखक का। (ख) लेखक के अध्यापक मित्र का।

(ग) मैना का (घ) कुत्ते का।

III लेखक के लिए छोटी सी घटना श्रेष्ठ बन गई की क्योंकि उससे उसको विदित हुआ कि :

(क) गुरुदेव का मन भाषाहीन प्राणी के मन को जान लेता है।

(ख) जानवरों से प्रेम करना निष्प्रयोजन है।

(ग) जानवरों की बातों को समझा जा सकता है।

(घ) कविता कैसे पढ़नी चाहिए।

IV लेखक को क्या देखकर आश्चर्य हुआ?

(क) गुरुदेव का आँखे बंद करके आनंदित होना।

(ख) आगंतुकों का आत्मनिवेदन।

(ग) कुत्ते का 'भस्म-कलश' के पास बैठकर शोक मनाना।

(घ) श्रीनिकेतन की तीसरी मंजिल वाली घटना।

V प्रस्तुत पाठ के लेखक तथा पाठ का नाम है –

(क) रवींद्रनाथ टैगोर – मेरी विदेश यात्रा।

(ख) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी – 'एक कुत्ता और एक मैना'

(ग) क्षितिमोहन सेन – बंगाल की कहानी

(घ) हरिशंकर परसाई – कुत्ते की दुम।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **2 x 5 = 10**

(क) ''नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया'' पाठ में किस घटना का वर्णन किया गया है? बताइए।

(ख) 'प्रेमचंद के फटे जूते' में लेखक को कौन सी विडबना चुभी और क्यों?

(ग) महादेवी जी अपना कटोरा खोकर भी प्रसन्न क्यों थीं? ''मेरे बचपन के दिन'' पाठ के आधार पर लिखिए।

(घ) 'एक कुत्ता और एक मैना' में लेखक को लंगड़ी मैना अन्य साथियों से किस प्रकार भिन्न लगी।

(ङ) लेखक ने प्रेमचंद के जूते फटने का क्या कारण सोचा? पाठ के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(i) पेड़ा के झुकने और गरदन उचकाने का क्या कारण है? **1**

(ii) धूल घाघरा उठाए क्यों भागी? **1**

(iii) किसने, किसे देखकर घूँघट सरकाया? **1**

(iv) मेघों के आने से वातावरण कैसा हो उठा? **1**

(v) नदी के ठिठकने के पीछे क्या कारण था? **1**

अथवा

एक चाँदी का बड़ा – सा गोल खंभा
आँख को है चकमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे,
पी रहे चुपचाप पानी,
प्यास जाने कब बुझेगी!

(i) कवि को क्यों लगता है कि पत्थर प्यासे हैं? **2**

(ii) आँखों को क्या चकमकाता है और कैसे? **2**

(iii) पोखर के किनारे क्या पड़ा है? **1**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए –** **2 x 5 = 10**

(क) क्या बचपन में माँ के द्वारा दी गई सलाह और वर्तमान परिस्थितियों में सामंजस्य (तालमेल) दिखाई देता है? 'यमराज की दिशा' कविता के आलाक में उत्तर दीजिए। **2**

(ख) 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने अपनी किस पीड़ा को चिंता के रूप में व्यक्त किया है? **2**

(ग) बगुला ध्यान लगाए क्यों खड़ा है? उसकी गतिविधि का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। **2**

(घ) कालें माथे वाली चिड़िया अपने सफेद पंखों से क्या करती है? उसकी मानसिकता स्पष्ट कीजिए। **2**

(ङ) ''मेघ आए'' कविता में वर्णित हवा की गतिविधि एवं प्रभाव पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। **2**

14. अपनी कल्पना से लिखिए कि बच्चन ने लेखक शमशेर बहादुर सिंह के लिए 'नोट' में क्या लिखा होगा? **4**

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर प्रेमा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **2 x 3 = 6**

(क) 'तुम यहाँ रहोगे तो मर जाओगे ....' यह कथन किसने किससे कहा था?

(ख) 'माटी – वाली' के चरित्र की कौन-सी विशेषताएँ आपको प्रभावित करती हैं, लिखिए।

(ग) गोपाल-प्रसाद के विचार आधुनिक समाज के लिए कहाँ तक घातक हैं?

(घ) 'माटी-वाली' बुढ़िया के सामने पुनर्वास में क्या समस्या आ रही थी?

खण्ड – घ

16. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए –** **5**

(क) श्रम का महत्त्व

संकेत बिन्दु :

- श्रम का अर्थ
- विभिन्न महापुरुषों और ग्रंथों के अनुसार श्रम,
- शारीरिक और मानसिक शक्तियों का विकास,
- महत्ता,
- उपसंहार,

(ख) आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता

संकेत बिन्दु :

- संयुक्त परिवार,
- भूमिका,
- युवा पीढ़ी का रिश्तों से परिचय,
- मिलजुलकर रहने की भावना,
- बुजुर्गों की उपस्थिति व महत्त्व,
- अकेलेपन से मुक्ति,
- उपसंहार,

(ग) परोपकार

संकेत बिन्दु :

- अर्थ,
- परस्पर सहयोग से समाज का अस्तित्व,
- प्रकृति सर्वोत्तम उदाहरण,
- पशु और मानव में अंतर,
- भारतीय संस्कृति में महत्त्व,
- उपसंहार,

17. दिल्ली दूरदर्शन के निदेशक को दिल्ली दूरदर्शन केन्द्र से प्रसारित कार्यक्रमों को रोचक बनाने के लिए पत्र लिखकर अपने सुझाव दीजिए। **5**

अथवा

आप अवकाश के दिनों में शिमला घूमने गए, वहाँ का विवरण देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

-------XXXXX---------